Tender Heart High School, Sector - 33-B, Chandigarh.

कक्षा - दसवीं
विषय - हिन्दी व्याकरण शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक - सरस हिन्दी व्याकरण - IX-X

उपविषय - चित्रवर्णन

हिन्दी साहित्य की दो प्रमुख विधाएँ हैं (1) पद्य विधा (2) गद्य विधा। 'पद्य विधा' के अंतर्गत कविता, गीत, गाना आदि लिखे जाते हैं और गद्य विधा में उपन्यास, नाटक, निबंध, आत्मकथा, संस्मरण आदि लिखे जाते हैं। 'गद्य शैली' में अपने मन के भाव-विचार व्यक्त करने की अनेक विधाओं में से एक है - चित्र वर्णन। मानव द्वारा अपने भाव-विचार को अभिव्यक्त करने के लिए अपनाई गई विधाओं में यह प्राचीन विधाओं में से एक है। आदिमानव, गुफा आदि की दीवार पर चित्र बनाकर ऐसा किया करते थे।

चित्र लेखन एक कला है। किसी चित्र को देखकर विद्यार्थियों के मन में अलग-अलग भाव उठते हैं। अतः उनकी अभिव्यक्ति में थोड़ा-बहुत अन्तर हो सकता है पर उनका मूलभाव समान होता है। इस कला में निपुणता प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को अभ्यास की आवश्यकता होती है। चित्रवर्णन को हल करते समय विद्यार्थियों को कुछ महत्त्वपूर्ण बिन्दुओं का अवश्य ध्यान रखना चाहिए। जैसे :-

1. दिए गए चित्र को बहुत ध्यानपूर्वक और धैर्य से देखना चाहिए।
2. चित्र के आधार पर समय, ऋतु, पात्रों की संख्या, वेशभूषा, आयु तथा भाव का सूक्ष्म निरीक्षण करना चाहिए।
3. चित्र में दिखाई गई पृष्ठभूमि को समझने का प्रयास करना चाहिए।
4. पात्रों के हाव-भाव को देखते हुए अपने विचारों को कल्पना शक्ति के आधार पर एक कहानी के रूप में विस्तार देते जाना चाहिए।

कक्षा - दसवीं शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

विषय - हिन्दी व्याकरण (चित्रवर्णन)

5. चित्र का वर्णन सरल, स्पष्ट तथा रोचक भाषा में करना चाहिए, साथ ही यह भी ध्यान रखना चाहिए कि भाषा पात्रानुकूल हो।
6. कहानी का विकास इस ढंग से किया जाना चाहिए कि पढ़ने वाले की रुचि व जिज्ञासा बनी रहे।
7. विद्यार्थी को अपनी कल्पनाशक्ति में इतना भी नहीं खोना चाहिए कि वह मूल विषय से ही दूर हो जाए।
8. चित्र में दिखाए गए छोटे-बड़े, प्रत्येक पहलू को बारीकी से देखना चाहिए।
9. प्रत्येक व्यक्ति की कल्पनाशक्ति एक-दूसरे से पृथक होती है अतः विचारों में भिन्नता होना सामान्य बात है।
10. चित्रलेखन करते समय इस बात का खास ध्यान रखना चाहिए कि जो कुछ भी लिखा जाए उसका सीधा संबंध चित्र से होना चाहिए।

गृहकार्य

छात्र व्याकरण की पुस्तक सरस हिन्दी व्याकरण IX-X की पृष्ठ संख्या 123 में दिए चित्र (क्रम संख्या 3) को ध्यानपूर्वक देखेंगे एवं चित्र को आधार बनाकर कहानी या प्रस्ताव के रूप में 250 शब्दों में वर्णन करेंगे।

निर्देश

* छात्र इस कार्य को अपनी-अपनी व्याकरण की उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे।
* अभिभावकों से भी अनुरोध है कि वे इस कार्य को पूर्ण करवाने में अपने बच्चों की सहायता करें।